अनवरत् खुशी के लिए मन में सदैव देने की भावना हो
न्यायमूर्ति सुनील गौड़, न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली, 24 नवम्बर 2013: दिल्ली उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश भ्राता सुनील गौड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि आज मानव की सोच बहुत संकीर्ण हो गई जिसकी परिणिति मन में सदैव तनाव, चिंता और भय के रूप में हो रही है। हम सदैव दूसरों को कुछ न कुछ दें, दूसरों की भावनाओं को समझें, उन्हें अपना समझें तो अवश्य ही हमारा जीवन खुशियों से भरपूर हो जायेगा।

उन्होंने उक्त उद्गार लोधी रोड स्थित श्री सत्य साईं इंटरनेशनल सभागार में ब्रह्माकुमारीज़ के लोधी रोड सेवा केन्द्र के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में, गेल इंडिया लि. एवं इन्द्रप्रस्थ गैस लि., के सहयोग से आयोजित "निरंतर खुशी" विषयक कार्यक्रम में व्यक्त किये।

भ्राता सुनील गौड़ ने कहा कि हमारे विचार निर्माणात्मक हों, जीवन में हर दिन कुछ नया करने का सोचें, सभी को साथ लेकर चलें, अपने कर्तव्य का पालन पूरी लग्न और निष्ठा से करें तो जरूर प्रसन्नता हमारी संगिनी बन जायेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आबू से पधारे ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव भ्राता मृत्युंजय जी ने कहा कि अशांति का कारण भौतिकता एवं इच्छाएं हैं। कम बोलें, धीरे बोलें व माया को विदाई दें। खुशी जैसी खुराक नहीं, खुशी जैसी दवाई नहीं व खुशी जैसी शक्ति नहीं। प्रेम और ज्ञान का प्रकाश हो तो क्रोध नहीं आता है। खुशी गायब होने का कारण अपने आप को आत्मा भूल जाते हैं अपना धर्म भूल जाते हैं। अहिंसा परमोधर्म है यह भी भूल जाते हैं। आज हम न्यूक्लियर युग में है लेकिन हमारी सोच न्यू (नवीन) और क्लियर

(स्पष्ट) होनी चाहिए। भ्राता मृत्यंजय जी ने आगे कहा कि भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री नरसिंहराव एक बार आबू आये थे और उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा था कि भारत सरकार चरित्र निर्माण का कार्य नहीं कर पा रही है लेकिन ब्रह्माकुमारी संस्था इस कार्य को बखूबी कर रही है। हमारे दिन की शुरूआत परमात्म चिंतन और स्वचिंतन से हो, सारे दिन निष्ठा पूर्वक अपना कार्य करें, दूसरों की भावनाओं की कद्र करें तो हमारा जीवन खुशियों से भरपूर हो जायेगा।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. ईश्वरैया जी ने अपने प्रवचन में कहा सच्चाई-सफाई से कार्य करें, हमें स्वयं को बदलना है दूसरों को नहीं। मुस्कुराहट किसी बाजार में नहीं बिकती और ना ही मांगने से कोई मुझे प्रसन्नता दे सकता है। इसके लिए तो मुझे ही स्वयं को सक्षम बनाना होगा, आत्म दीप जगाना होगा, सबको अपना बनाना होगा और सबके गुणों को देखना होगा।

कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में बी.के. डा. सविता आनंद, आई.एफ.एस., प्रधान मुख्य वन सरंक्षक, राजस्थान सरकार ने कहा कि जागृति और परिवर्तन से ही हम आगे बढ़ सकते हैं और जीवन में सदैव खुश रह सकते हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ करोल बाग़ सेवा केन्द्र की निदेशिका पुष्पा बहन ने कहा सभी व्यक्ति जीवन में खुशी चाहते हैं, इसलिए ही खुशी सबसे बड़ी खुराक कही जाती है। हम जो कुछ भी करते हैं खुशी के लिए ही करते हैं। पर हमें यह पता नहीं है कि खुशी मिलेगी कैसे? उन्होंने आगे कहा कि आज हम अपने को भूल गये हैं परमात्मा को भूल गये हैं। मन में ईश्वरीय ज्ञान प्राप्त होने पर मन खुशियों से भरपूर हो जाता है। मन को ऐसा शक्तिशाली बनायें कि कोई भी बात मुझे दु:ख-कष्ट न पहुंचा सके। परमात्मा पिता का कहना है कि अच्छे कर्मो एंव पुण्य कर्मो से ही मुस्कुराहट मिल सकती है।

संस्था के लोधी रोड केन्द्र की संचालिका बी.के. गिरिजा बहन ने सभी का शब्दों द्वारा स्वागत किया एवं बी.के. पीयूष भाई ने कुशल मंच संचालन किया। प्रोग्राम के अंत में सेवाकेन्द्र के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में केक काटा गया एवं सामूहिक राजयोग का अभ्यास कराया गया।

कार्यक्रम में डा. पी.के.आनंद, आई.ए.एस., अपर सचिव (अडीशनल सेक्रेटरी), भारत सरकार, जे.के.दादू, आई.ए.एस., संयुक्त सचिव (ज्वॉइंट सेक्रेटरी), भारत सरकार, जी.डी. अग्रवाल, उपाध्यक्ष (वाइस प्रेजीडेंट), आयकर अपीलीय अधिकरण (आईटीएटी), कानून मंत्रालय, भारत सरकार, आर.पी.तुलानी, सदस्य, आईटीएटी, डा. देवेन्द्र सभ्रवाल, समूह अध्यक्ष (ग्रुप चैयरमैन), जीवन अस्पताल, एस.के. विज, पूर्व सदस्य, रेलवे बोर्ड, शिव गणेश, उप महानिदेशक, भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारत सरकार, एस.पी. सेठ, नामीग्रामी उद्योगपति, डा. सी.एच. मूर्ति, पूर्व वाइस प्रेजीडेंट, आई.बी.एम. इंडिया एवं विभिन्न पब्लिक/ प्रायवेट कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने भी विशेष रूप से भाग लिया।